सत्र-2021-22

आदर्श प्रश्नपत्र

विषय-हिन्दी

कक्षा-9

समय- 3 घण्टें 15 मिनट पूर्णांक-70

नोट- i-प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पढ़ने के लिए निर्धारित है।

ii-प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभाजित है। खण्ड-अ एवं खण्ड ब।

iii-खण्ड-अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये है।

iv-खण्ड-ब में50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये है। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित है।

(खण्ड-अ)

बहुविकल्पी प्रश्न-

1- भारतेन्दु युग के निबन्धकार हैं- 1

क- बालकृष्ण भट्ट ख- बाबू गुलाबराय

ग-श्यामसुन्दर दास घ-रामचन्द्र शुक्ल।

2- 'गोदान' किस विधा की रचना है? 1

क- कहानी ख-उपन्यास

ग-निबन्ध घ-नाटक।

3- सेठ गोविन्द दास द्वारा रचित 'व्यवहार' एकांकी में कुल कितने पात्र हैं- 1

क-कुल पाँच पात्र हैं ख- कुल चार पात्र हैं

ग- कुल बारह पात्र हैं घ- कुल दस पात्र हैं।

4- भारतेन्दु के पूर्व हिन्दी गद्य के प्रमुख लेखक थे- 1

क-राधाकृष्ण दास ख-राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द'

ग-बालमुकुन्द गुप्त घ-प्रताप नारायण मिश्र ।

5- आदिकाल को अन्य किस नाम से जाना जाता है- 1

क-मध्यकाल ख-श्रृंगार काल

ग-वीरगाथा काल घ-युद्धकाल।

6- 'पृथ्वीराजरासो' किसकी रचना है? 1

क-नरपति नाल्ह ख-चन्दबरदाई

ग-दलपति विजय घ-विद्यापति।

7- सगुणोपासना की दूसरी शाखा कहलाती है- 1

क-सूफी काव्य धारा ख-कृष्णाश्रयी शाखा

ग-ज्ञानाश्रयी शाखा घ-प्रेमाश्रयी शाखा ।

8- साखी, सबद, रमैनी किसकी रचना है- 1

क-धर्मदास ख-कबीरदास

ग-सुन्दरदास घ-मलूकदास।

Downloaded from cclchapter.com

9- "देखि रूप लोचन ललचाने। हरषे जनु निज निधि पहिचाने"। में निम्नलिखित रस है-1

क-श्रृंगार रस ख-वीर रस

ग-शान्त रस घ-करुण रस।

10- बंदऊँ गुरु-पद पदुम परागा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा' के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ है? बताइए- 1

क-ग्यारह मात्राएँ ख-सोलह मात्राएँ

ग-बीस मात्राएँ घ-तेरह मात्राएँ।

11- तरनि तनुजा तट तमाल-तरुवर बहु छाए'। में अलंकार है- 1

क-उपमा अलंकार ख-अनुप्रास अलंकार

ग-श्लेष अलंकार घ-रूपक अलंकार।

12- यथाशक्ति' का समास –विग्रह है- 1

क-शक्ति+अनुसार ख-यथ+शक्त

ग-यथा+शक्ति घ-यथ+नुसार।

13- माता-पिता, दिन-रात आदि के बीच किस विराम चिन्ह का प्रयोग हुआ है? 1

क-समतासूचक ख-योजक

ग-संक्षेप चिह्न घ-अल्पविराम।

14- अस्थि' शब्द का तद्भव बताइए- 1

क-कलश ख-हड्डी

ग-अश्रु घ-अग्र।

15- अज्ञान' का विलोम है- 1

क-प्रखर ख-ज्ञान

ग-ज्ञानी घ-तेज।

16- कमल,राजीव,जलज,नलिन आदि कहलाते है- 1

क-विलोम ख-पर्यायवाची

ग-उपसर्ग घ-प्रत्यय।

17- महाशयः' का सन्धि-विच्छेद बताइए- 1

क-महान+आशयः ख-महा+आशयः

ग-महा+शयः घ-महा+आलयः

18- रामैः'रूप है राम का- 1

क- सप्तमी विभक्ति,द्विवचन ख-तृतीया विभक्ति, बहुवचन

ग-तृतीय विभक्ति, एकवचन घ-तृतीया विभक्ति, द्विवचन।

Downloaded from cclchapter.com

19- गच्छन्ति' रूप है 'गम्' धातु का- 1

क- लृटलकार,मध्यम पुरुष,एकवचन ख-लट्लकार,प्रथम पुरुष,बहुवचन
ग-लृटलकार,उत्तमपुरुष,एकवचन घ-लड्.लकार,प्रथम पुरुष,बहुवचन।

20- कृ' धातु विधिलिड्. लकार,मध्यम पुरुष, द्विवचन का रूप बताइए- 1

क- करोतु ख-कुर्यातम्
ग-कुरुत घ-अकरोत्।

खण्ड-ब

प्रश्न-21निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिजिए।

क- मोटर चली गयी।बूढ़ा कई मिनट तक मूर्ति की भाँति निश्चल खड़ा रहा। संसार में ऐसे मनुष्य भी होते, जो अपने आमोद-प्रमोद के आगे किसी की जान की भी परवाह नहीं करते, शायद इसका उसे अब भी विश्वास न आता था। सभ्य संसार इतना निर्मम, इतना कठोर है, इसका ऐसा मर्मभेदी अनुभव अब तक न हुआ था। वह उन पुराने जमाने के जीवों में था, जो लगी हुई आग को बुझाने, मुर्दे को कन्धा देने, किसी के छप्पर को उठाने और किसी कलह को शान्त करने के लिए सदैव तैयार रहते थे। 3x2=6

प्रश्न-i-भगत को किस बात पर विश्वास नहीं हो रहा था?

ii- भगत के अनुसार सभ्य संसार कैसा है?

iii-पुराने जमाने के जीवों का व्यवहार कैसा था?

अथवा

ख- दुनिया में दो अमोघ शक्तियों है-शब्द और कृति। इसमें कोई शक नहीं कि 'शब्दों' ने सारी पृथ्वी को हिला दिया है। किन्तु अन्तिम शक्ति तो 'कृति' की है। महात्मा जी ने इन दोनों शक्तियों में से अधिक श्रेष्ठ उपासना की है। कस्तूरबा ने इन दोनों शक्तियों में से अधिक श्रेष्ठ शक्ति कृति की नम्रता के साथ उपासना करके सन्तोष माना और जीवनासिद्धि प्राप्त की।

प्रश्न- i-शब्द और कृति से लेखक का क्या तात्पर्य है?

ii-गांधीजी ने किसकी उपासना की?

iii-कस्तूरबा कैसी महिला थीं?

प्रश्न-22 निम्नांकित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 3x2=6

क- प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी। जाकी अंग-अंग बास समानी।।
प्रभु जी तुम घन बन हम मोरा। जैसे चितवत चंद चकोरा।।
प्रभु जी तुम दीपक हम बाती। जाकी जोति बरै दिन राति।।
प्रभु जी तुम मोती हम धागा। जैसे सोनहिं मिलत सोहागा।।
प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा।। ऐसी भक्ति करै रैदासा।।

प्रश्न-iराती, सोनहिं, मोतीशब्द के तत्सम रूप लिखिए।

ii'जैसे चितवत चंद चकोरा' में कौन सा अलंकार है?

Iii 'जाकी जोति बरै दिन राति' का आशय स्पष्ट कीजिए।

Downloaded from cclchapter.com

अथवा

ख- मैंने झुक नीचे को देखा,
तो झलकी आशा की रेखा
विप्रवर स्नान कर चढ़ा सलिल
शिव पर दूर्वादल, तण्डुल, तिल
लेकर झोली आए ऊपर,
देखकर चले तत्पर वानर।

प्रश्न-i कवि ने नीचे झुककर क्या देखा?

ii'दान' कविता में कवि द्वारा किये गये व्यंग्य को लिखिए।

iii'शिव' पर किसने क्या चढ़ाया?

प्रश्न-23 (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी अनुवाद अपने शब्दों मेंकीजिए- 3+1=4

(i)अनन्तरं श्रीकृष्णः गोपालैः सह वनं गत्वा गाः चारयति, तत्र च वेणुं वादयति, अनेन सर्वाः गावः गोपालाश्च सर्वाणि कार्यणि विहाय तस्य वेणुवादनं श्रृण्वन्ति।महाकविः व्यासः संस्कृतभाषायां, भक्तकविः सूरदासः हिन्दी भाषायां तस्य बाललीलायाः अतिसुन्दरं वर्णनम् अकरोत्।

अथवा

(ii)-विश्वविश्रुतः स्वामी विवेकानन्दः अस्यैव महाभागस्य शिष्यः आसीत्। तेन न केवलं भारतवर्षेअपितु पाश्चात्यदेशेष्वपि व्यापकस्य मानवधर्मस्य डिण्डिमघोषः कृतः। तेन अन्यैश्च शिष्यैः जनानां कल्याणार्थं स स्थाने-स्थाने रामकृष्णसेवाश्रमाः स्थापिताः। ईश्वरानुभवः दुःखितानां जनानां सेवया पुष्यति, इति रामकृष्णस्य महान् सन्देशः।

(ख)-निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिएः 3+1=4

(i)बुद्धिमान् नीतिमान् वाग्मी श्रीमाच्छत्रुनिवर्हणः।
विपुलांसो महाबाहुः कम्बुग्रीवो महाहनुः।।

अथवा

(ii) मनसि वचासि काये पुण्यपीयूषपूर्णा
त्रिभुवनमुपकारश्रेणिभिः प्रीणयन्तः।
परगुण-परमाणून् पर्वतीकृत्य नित्यं,
निजहृदि विकसन्तः सन्ति सन्तः कियन्तः।।

प्रश्न-24 'दीपदान' एकांकी अथवा 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के कथासंगठन पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 05

अथवा

'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के प्रमुख प्रात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न-25(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं का नाम लिखिएः 3+1=4

Downloaded from cclchapter.com

i-प्रेमचन्द्र

ii-महादेवी वर्मा

iii-रवीन्द्र नाथ टैगोर।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो रचनाओं का उल्लेख कीजिए: 3+1=4

i-जयशंकर प्रसाद

ii-कबीरदास

iii-हरिवंश राय बच्चन।

प्रश्न-26 अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुए कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो।

प्रश्न-27 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए: 2+2=4

(अ) क्रोध केन जयेत?

(ब)विनयः कस्मात् उद्भवति?

(स)रामः कस्मिन् वंशे उत्पन्नः आसीत्?

(द)स्वामी विवेकानन्दः कस्य शिष्यः आसीत?

प्रश्न-28निम्नलिखित मुहावरे एवं लोकोक्ति में से किसी एक का अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए। 1+1=2

i. ऊँट के मुँह में जीरा।

ii. ईद का चाँद होना।

iii. अक्ल बड़ी या भैंस।

iv. अन्धे की लकड़ी होना।

प्रश्न-29 निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: 2+2=4

(अ) वह गंगा का जल है।

(ब) राम घर में नही है।

(स) सूर्य उदय होता है।

(द) वह जाता है।

(य)बालिका पढ़ती है।

प्रश्न-30 शुल्क-मुक्ति हेतु अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने प्रधानाचार्य को सम्बोधित करते हुए एक प्रार्थना-पत्र लिखिए जिसमें अस्वस्थ होने के कारण एक दिन का आकस्मिक अवकाश माँगा गया हो।

Downloaded from cclchapter.com